रात्रि क्लास 7-12-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

रूहानी बच्चे बाप के सामने बैठे हैं। भल हैं जिस्म के साथ परन्तु सभी जानते हैं हम बाप के सामने बैठे हैं। यह हमारा बेहद का बाप है। हर 5000 वर्ष बादबाबा आप हमको पावन बनाकर पावन विश्व का मालिक बनाते हो। अब हमारा 84वां जन्म पूरा हुआ। अभी हम घर जावेंगे। तुम पार्ट बजाते2 थक गये हो। अभी फिर बाबा आया हुआ है। सुखधाम वा या शान्तिधाम ले जावेंगे। बहुत सहज बात बाप बतलाते हैं। कलियुग माना ही दुःखधाम। सतयुग है सुखधाम। अभी बाप आये हैं सुखधाम ले जाने। और यह भी जानते हैं पवित्रवन कर जावेंगे। बाप भी है रूहानी। यह है स्प्रीचुअल रूहानी ज्ञान। बोलो हमारा स्प्रीचुअल फादर है। स्प्रीचुअल चिल्ड्रेन्स का फादर एक ही बार आते हैं। यह संगम है कल्याण कारी युग। पुरुषोत्तम युग। यह भारत में ही होता है। यहां ही गाया जाता है। पुरुष को उत्तम बनाना है। अभी है कनिष्ट। उत्तम मध्यम कनिष्ट। उत्तम सतयुग मध्य द्वापर कनिष्ट कलियुग। यह सभी बातें बाप सुनाते हैं तो नोट करना चाहिए उत्तम सतयुग। मध्यम द्वापर कनिष्ट कलियुग। आदि मध्य अन्त। फिर कनिस्ट से उत्तम बनेंगे। पुरुषोत्तम। नर और नारी दोनों ही उत्तम बनते हैं। फिर गिरते हैं तो दोनों गिरते हैं। बाप नई2 बातें सुनाते हैं। ज्ञान सिर्फ बाप ही आकर देते हैं। उनको रूहानी ज्ञान कहा जाता है। ज्ञान का सागर एक ही बाप है। ज्ञान तब मिलता है जब मनुष्य अज्ञान अंधेरे में हैं। कितनी सहज बातें हैं। ब्राह्मणियों का काम हैरोज2 पायन्दर बताना। इस संगम युग को बहुत महत्व दिया जाता है। स्प्रीचुअल नालेज सिर्फ स्प्रीचुअल फादर ही देते हैं। हम हैं स्प्रीचुअल चिल्ड्रेन्स। स्प्रीचुअल फादरहमको स्प्रीचुअल नालेज देते हैं। सतोप्रधान बनने की युक्ति बताते हैं। पहले2 यह शिक्षादेनी है तुम आत्मा हो। आत्माओं का बाप है शिव बाबा। वह सदा पवित्र हैं। आत्माएं पवित्र अपवित्र बनती हैं। सतोप्रधान सतो रजो तमो में आती हैं। गोल्डेनएज सिल्वर एज [illegible] इस समय है आयरनएजेज। दुनिया को ही कहा जाता है। जैसा सोना वैसा जेवर बनता है। खाद डालने से ही ऐसी चीज बनती है। माया की प्रवेशता होती है। फिर बाप आते हैं पुरुषोत्तम संगम युग पर। इनको कुम्भ का मेला कहा जाता है। तुम बच्चों को अभी सभी मालूम हुआ। आगे कुछ नहीं जानते थे। बन्दर बुद्धि थे। फिर संगम पर बाप आकर मनुष्य बुद्धि बनाया है जबतुम ब्राह्मण बने हो। फिर तुम मनुष्य को देवता बनाते हो। तुम पढ़कर देवता बनते हो। कितना सहज है। यह पक्का समझना है। स्प्रीचुअल नालेज स्प्रीचुअल फादर से ही होता है। सृष्टि के आदि मध्य अन्त को वही जानते हैं। नेती2 कह देते। मनुष्य होकर ड्रामा के आदि मध्य अन्त को न जानें तो वह क्या काम का। तुमको समझाया है हरेक आत्मा को पार्ट मिला हुआ है। आत्मा कितनी छोटी है उनमें इतना सारा पार्ट भरा हुआ है। आत्मा भी बन्दर तो आत्माओं का बाप भी बन्दर है। सारी सृष्टि कैसे वृद्धि को पाती है वह सभी बातें बाप बैठ समझाते हैं। जो अन्दर बाहर साफ दिल होंगे उनका तीर अच्छा लगेगा। सभी ऐसे नहीं होते हैं। बाबा कभी नहीं कहेंगे उनका अन्दर बाहर साफ है। परन्तु बाबा सामने नहीं कहेंगे। बिगड़ेंगे तो डिस्सर्विस कर देंगे।

बाप को बहुत बहुत प्यार करना है। दिलवाला मंदिर है ना। सभी की दिल लेने वाला। यह भी साथ में हैं। बाप दादा दोनों दिल लेते हैं। तुमको जो मशीन मिलती है श्रृंगारने लिये। वह सरस्वती थी। यह ब्रह्मपुत्री। बड़ा कौन? ब्रह्मपुत्रा में बड़े2 स्टीमर आते हैं। इनकी संगम पर बहुत मेला लगता है। तो यह बड़ी से बड़ी नदी है। यह है सर्व की सदगति करने वाले शिव बाबा का स्थान। सर्व तीर्थों में महान तीर्थ है आबू। थोड़े ही समय में आबू का बहुत नाम हो जावेगा। सभी धर्मों का तीर्थ है। क्योंकि सभी की सदगति होती है। अखबारों आदि में आवाज होगा। अभी आबू का इतनानाम नहीं है। अम्बा पर कितने जाते हैं। यहां तो फिर बाबा और मम्मा दोनों हैं। अम्बा पर बहुत मेला लगते हैं। ल0पर मेले नहीं लगते। ल0 को तिजोरी में रखते हैं। समझते हैं धन वृद्धि को पावेंगे। दीपमाला पर साफ्दे आदि से मंदिर में जावेंगे पैसा मांगेंगे। बाप के पास आकर बच्चे तृप्त हुये? आत्मा 21 जन्म लिये सतृप्त हो जाती है। कलियुग में सदैव तृप्त आत्मा रहते हो। अच्छा गुडनाईट। नमस्ते।